एक जनपद एक उत्पाद योजना ने जगाई उम्मीद

लखनऊ। सूक्ष्म , लघु , मध्यम उद्योग विभाग ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ओडीओपी योजना लांच की। इसके नतीजे सुखद रहे हैं। यूपी से कुल निर्यात में 80 प्रतिशत प्रोडेक्ट तो इसी ओडीओपी से ही हैं। यही कारण है कि ओडीओपी आने के बाद राज्य से निर्यात बढ़ता जा रहा है। एमएसएमई इकाइयों के साथ उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। यह क्षेत्र कृषि क्षेत्र के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगार प्रदान करने वाला क्षेत्र है। उत्तर प्रदेश हस्तशिल्प के निर्यात, प्रसंस्कृत खाद्य, इंजीनियरिंग सामान, कालीन, रेडीमेड गारमेंट्स एवं चमड़ा उत्पादों के क्षेत्र में देश में एक अग्रणी प्रदेश है।

उत्तर प्रदेश से किए जाने वाले हस्तशिल्प उत्पादों का निर्यात देश के कुल हस्तशिल्प निर्यात का 44% है । इसी प्रकार कालीनों के 39% व चमड़ा उत्पादों के 26% कुल निर्यात के साथ यह योगदान और भी सार्थक सिद्ध होता है । उत्तर प्रदेश देश के कुल निर्यात का 4.73% भाग वहन करता है । प्रदेश के अधिकतर जनपद एक अथवा एक से अधिक विशिष्ट उत्पाद तैयार करते हैं । ये चाहे हस्तशिल्प हों, हैंडलूम हों, या कृषि/बागवानी उत्पाद हों, या राष्ट्रीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान के साथ कोई लघु उद्यम हों उदाहरणार्थ बनारस की सिल्क साड़ियाँ, मुरादाबाद के पीतल के बने हस्तशिल्प, पीलीभीत की बाँसुरी, बांदा की शज़र पत्थरों की बनी कलाकृतियाँ और सिद्धार्थनगर का काला नमक चावल आदि किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। इसके योजना की कामयाबी के लिए कई स्तर पर खास रणनीति बनाई गई है। इसमें उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार एवं दक्षता का विकास, उत्पादों की गुणवत्ता में बदलाव (पैकिंग व ब्रांडिंग द्वारा),उत्पादों को पर्यटन से जोड़ा जाना प्रमुख है। नई व मौजूद एमएसएमई इकाइयों को आर्थिक सहायता जारी रखने के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित मुद्रा, पी.एम.ई.जी.पी., स्टैंड अप योजनाओं तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना तथा विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना से आवश्यक समन्वय स्थापित करना एवं आवश्यकता नुसार नई योजनाओं को प्रारंभ कराया गया है।

Hindustan P-28 14/10/2020